

शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ

शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ,
प्रकट प्रभावी पारस जी से मनवांछित फल पाओ ।
शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ..

भटकना छोड़ो यूं दर दर पे तुम,
प्रभु पारस की शरण में आओ ।
न भागो भाई दुःखो से डरके,
हर एक चौखट पे ये सर ना झुकाओ ।
पांचवा आरा हैं ही दुःखो का, भक्ति से कर्म खपाओ,
शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ ॥

करम का राजा रहम नहीं करता,
किसी भी प्राणी को वो ना छोड़े ।
नहीं मिलती हैं दुःखो से मुक्ति,
बिना कर्मों के फलों को भोगे ।
हंसते हुए जो कर्म हैं बांधे, समता से खपाओ,
शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ ॥

प्रभु पारस पे भरोसा कर लो,
मिटेंगे दुःखडे सभी जन्मो के ।
प्रभु की मस्ती करो मस्ती में,
मगन हो जाओ प्रभु चरणों में ।
'नाकोड़ा दरबार' 'प्रदीप' कहें, श्रद्धा को अटल बनाओ,
शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ ॥

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2058/title/shankheahwar-ji-jaao-prabhu-paras-ke-gun-gaao>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |